शोधामृत
(कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की अर्धवार्षिक, सहकर्मी समीक्षित, मूल्यांकित शोध पत्रिका)

ISSN : 3048-9296 (Online)
3049-2890 (Print)
IIFS Impact Factor-2.0
Vol.-2; issue-2 (July-Dec.) 2025
Page No- 249-251

©2025 Shodhaamrit
https://shodhaamrit.gyanvividha.com

1. Dr. Ravindra kumar Jaysi
principal at sant guru ghasidas arts and science college, pachpedi, dist.- Bilaspur, (C.G).
2. Sukanya Prajapati
Research Scholar,
Dr C V Raman Univeristy.

Corresponding Author :
Dr. Ravindra kumar Jaysi
principal at sant guru ghasidas arts and science college, pachpedi, dist.- Bilaspur, (C.G).

एनईपी 2020 के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन शिक्षा और समाज के बीच उभरते संबंधों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

सारांश : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने वाली ऐतिहासिक नीति है। यह अध्ययन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से इस बात का विश्लेषण करता है कि कैसे NEP 2020 शिक्षा और समाज के बीच उभरते संबंधों को पुनर्परिभाषित करती है। नीति के मुख्य तत्वकृबहुविषयक शिक्षा, कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, मातृभाषा-आधारित शिक्षा, डिजिटल शिक्षा एवं समान अवसरकृसामाजिक संरचना, सामाजिक गतिशीलता, असमानता, युवाओं की भूमिका और सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, इस पर अध्ययन केंद्रित है।

1. परिचय (Introduction) : शिक्षा समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो न केवल ज्ञान का प्रसार करती है, बल्कि सामाजिक विकास, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय निर्माण की आधारशिला भी रखती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा और समाज के इन आपसी संबंधों को पुनः परिभाषित करने का एक प्रयास है। यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि कैसे NEP 2020 सामाजिक परिवर्तन के वाहक के रूप में उभर रही है।

2. शोध उद्देश्य (Objectives of the Study) :

1. NEP 2020 के प्रमुख प्रावधानों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण करना।
2. शिक्षा और समाज के बीच उभरते नए संबंधों की पहचान करना।
3. समाज में NEP 2020 द्वारा लाए जा रहे सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन करना।
4. नीति के कारण सामाजिक असमानताओं, सामाजिक गतिशीलता और अवसरों पर पड़े प्रभाव को समझना।

3. शोध समस्या (Research Problem) : भारत में शिक्षा और समाज के बीच संबंध जटिल और बहुआयामी रहे हैं। NEP 2020 के लागू होने के साथ शिक्षा का नया ढांचा सामाजिक संरचना के साथ किस प्रकार अंतःक्रिया कर रहा है, यह अभी भी अध्ययन का विषय है। यह शोध इन उभरते परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता को रेखांकित

करता है।

4. सैद्धांतिक ढांचा (Theoretical Framework):

- अध्ययन निम्न समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर आधारित है
- एमिल दुर्खीम का शिक्षा सिद्धांत शिक्षा सामाजिक एकजुटता को मजबूत करती है।
- कार्ल मार्क्स का संघर्ष सिद्धांत शिक्षा अवसरों और संसाधनों के वितरण में भूमिका निभाती है।
- मैक्स वेबर का सामाजिक गतिशीलता सिद्धांत शिक्षा सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन-पर्याय (Life Chances) का निर्धारक है।
- मानव पूंजी सिद्धांत कौशल आधारित शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास बढ़ाती है।

5. एनईपी 2020 के प्रमुख प्रावधानों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण :

5.1 बहुविषयक (Multidisciplinary) शिक्षा :

- छात्रों को कला, विज्ञान, तकनीक एवं व्यावसायिक शिक्षा का एक साथ अध्ययन करने की स्वतंत्रता।
- यह सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाता है और वर्ग-आधारित विभाजन को कम करता है।

5.2 कौशल-आधारित शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण :

- समाज में कौशल-केंद्रित अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में परिवर्तन।
- युवाओं में रोजगार क्षमता बढ़ने से सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार।

5.3 मातृभाषा स्थानीय भाषा में शिक्षा :

- सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक पहचान को मजबूत बनाना।
- ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच की दूरी कम करना।

5.4 डिजिटल शिक्षा और तकनीकी पहुँच

- डिजिटल साक्षरता सामाजिक परिवर्तन का नया आयाम है।
- लेकिन डिजिटल डिवाइड (Digital Divide) सामाजिक असमानताओं को भी बढ़ा सकता है।

5.5 समान अवसर और समावेशी शिक्षा :

- आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, दिव्यांगजनों और अनुसूचित समुदायों के लिए उन्नत शिक्षा अवसर।
- सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।

6. सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में NEP 2020 का प्रभाव (Impact on Social Change):

6.1 सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility) : कौशल आधारित शिक्षा और बहुविषयक प्रणाली नई पीढ़ी को अधिक अवसर प्रदान करती है, जिससे सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता बढ़ती है।

6.2 सामाजिक एकजुटता (Social Cohesion) : मातृभाषा शिक्षा और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने से समाज में एकजुटता और सांस्कृतिक सम्मान बढ़ता है।

6.3 लैंगिक समानता (Gender Equality):
नीति में महिला शिक्षा, STEM में भागीदारी और सुरक्षित शिक्षा वातावरण पर जोर दिया गया है।

6.4 डिजिटल समाज का उदय : ऑनलाइन शिक्षा, वर्चुअल लैब, और तकनीक आधारित शिक्षण समाज को डिजिटल रूप से सशक्त बनाते हैं।

6.5 ग्रामीण-शहरी अंतर का कम होना : समान अवसर, स्थानीय भाषा में शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी कम हो रही है।

7. चुनौतियाँ (Challenges) :

1. डिजिटल डिवाइड और तकनीकी संसाधनों की कमी।
2. शिक्षकों का प्रशिक्षण और नई पद्धतियों का अभाव।
3. सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ।
4. बहुभाषिकता और मातृभाषा नीति के व्यावहारिक पक्ष।
5. शहरी-ग्रामीण अंतर संरचनात्मक रूप से अभी भी मौजूद है।

8. सुझाव (Suggestions) :

- डिजिटल शिक्षा हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना विकसित की जाए।

- शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाए।
- सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और समर्थन कार्यक्रम।
- उद्योग और शिक्षा संस्थानों के बीच मजबूत संबंध।
- मातृभाषा आधारित शिक्षण को स्थानीय संदर्भ में प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

9. **निष्कर्ष (Conclusion) :** NEP 2020 भारतीय समाज और शिक्षा प्रणाली में व्यापक सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करती है। यह नीति न केवल ज्ञान को विविधता और बहुविषयक रूप में प्रस्तुत करती है, बल्कि सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, सांस्कृतिक संरक्षण, कौशल-विकास और सामाजिक-आर्थिक विकास के नए आयाम भी प्रस्तुत करती है। समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखें तो NEP 2020 शिक्षा और समाज के बीच संबंधों को अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और आधुनिक बनाती है।

संदर्भ (References) :

1. Government of India. (2020). National Education Policy 2020. Ministry of Human Resource Development, New Delhi.
2. UNESCO. (2015). Rethinking Education: Towards a global common good? UNESCO Publishing.
3. Durkheim, E. (1956). Education and Sociology. Free Press.
4. Weber, M. (1978). Economy and Society. University of California Press.
5. Marx, K. & Engels, F. (1970). The German Ideology. International Publishers.
6. Schultz, T. W. (1961). Investment in Human Capital. The American Economic Review, 51(1), 1–17.
7. Banerjee, A. & Duflo, E. (2011). Poor Economics: A Radical Rethinking of the Way to Fight Global Poverty. HarperCollins.
8. National Council of Educational Research and Training (NCERT). (2021). Foundational Literacy and Numeracy Report. New Delhi.
9. NITI Aayog. (2021). School Education Quality Index. Government of India.
10. Bourdieu, P. (1986). The Forms of Capital. In J. Richardson (Ed.), Handbook of Theory and Research for the Sociology of Education. Greenwood.
11. Kumar, K. (2005). Political Agenda of Education: A Study of Colonialist and Nationalist Ideas. Sage Publications.
12. Tilak, J. B. G. (2020). Education in India: How to transform it?. Economic and Political Weekly, 55(34).
13. Drèze, J., & Sen, A. (2013). An Uncertain Glory: India and its Contradictions. Allen Lane.

•